सौराष्ट्र-तमिल संगमम

सौराष्ट्र-तमिल संगमम (Saurashtra-Tamil Sangamam) में लगभग 3,000 लोगों के भाग लेने की उम्मीद है। इस महोत्सव का उद्देश्य **गुजरात और तमिलनाडु के दो तटीय** राज्यों के बीच 'पुराने संबंधों' और सांस्कृतिक संबंधों को प्रदर्शित करना है।

- **सौराष्ट्र-तमिल संगमम,** [काशी-तमिल संगमम](#) के समान है।

सौराष्ट्र-तमिल संगमम:

- **पृष्ठभूमि:**
    - सदियों पहले यानी 600-1000 वर्ष के बीच आक्रमणों ने कई लोगों को **गुजरात में सौराष्ट्र से पलायन करने और मदुरै के आसपास के तमिलनाडु के ज़िलों में नई बस्तियाँ स्थापित करने के लिये मजबूर किया, जिसे अब तमिल सौराष्ट्रियन के रूप** में जाना जाता है।
    - गुजराती मूल के लोग तमिलनाडु में विभिन्न स्थानों जैसे- **तिरुचि, तंजावुर, कुंभकोणम और सलेम** में बस गए हैं, जिससे **गुजरात और तमिलनाडु** के बीच सांस्कृतिक संबंध मज़बूत हुए हैं।
- **महोत्सव की मुख्य विशेषताएँ:**
    - इस महोत्सव का उद्देश्य **भारत की सांस्कृतिक विविधता और ताकत को उजागर करना तथा लोगों को तीर्थस्थलों एवं** [सांस्कृतिक विरासत](#) के साथ फिर से जोड़ना है।
    - यह महोत्सव गुजरात में **सोमनाथ, द्वारका और केवडिया में** [स्टैच्यू ऑफ यूनिटी](#) जैसे कई स्थानों पर आयोजित होगा।

- **लोगों का महत्त्व:**
    - यह **तमिल-सौराष्ट्र के लोगों की रेशमी कपड़े की विशेषज्ञता और गुजरात के कपड़ा उद्योग के विलय को दर्शाता है।**
    - **दो संस्कृतियों के संगम को सोमनाथ मंदिर, सौराष्ट्रियों की उत्पत्ति के स्थान और मदुरै के पास** [मीनाक्षी मंदिर](#), जहाँ वे बसे थे, के माध्यम से दर्शाया गया है।

- **डांडिया (गुजरात) और [भरतनाट्यम (तमिलनाडु)](#) के साथ नृत्य मुद्रा** में एक युवती दो कला रूपों के संगम का प्रतीक है।
- **ऊपरी तीन रंग '[एक भारत श्रेष्ठ भारत](#)' के संदेश को दर्शाता है,** जबकि नीचे का **नीला रंग दो राज्यों के समुद्र के साथ मिलन का प्रतीक है।**

संगमम का महत्त्व:

- **सांस्कृतिक सुरक्षा:** यह सुरक्षा के अन्य रूपों की तरह ही महत्त्वपूर्ण है जैसे- सीमा सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और साइबर सुरक्षा।
  - **संगमम के माध्यम से सांस्कृतिक संबंधों और विरासत की रक्षा कर** एक राष्ट्र की पहचान को बनाए रखने के लिये आवश्यक है और इसने **भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान** को देखा है।
- **सामुदायिक भवन और सामाजिक सामंजस्य:** संगमम समुदाय को **एक साथ आने, सामाजिक और सामुदायिक भावना का निर्माण करने के लिये एक मंच के रूप में कार्य करता है।**
  - यह विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के मध्य **एकता और घनिष्ठता की भावना** को बढ़ावा देने के साथ ही **आपसी सम्मान, समझ एवं सद्भाव** को भी बढ़ावा देता है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत:

- **परिचय:** इसे वर्ष 2015 में विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिये लॉन्च किया गया था ताकि विभिन्न संस्कृतियों के लोगों में **आपसी समझ और बंधन को बढ़ाया जा सके, जिससे भारत की एकता व अखंडता मज़बूत** होगी।
- **संबद्ध मंत्रालय:** यह **शिक्षा मंत्रालय** की एक पहल है।
- **योजना के तहत गतिविधियाँ:** देश के प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश को एक समयावधि के लिये **दूसरे राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के साथ जुड़ने का अवसर मिलेगा, जिसके दौरान वे भाषा, साहित्य, व्यंजन, त्योहारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पर्यटन आदि क्षेत्रों में एक-दूसरे के साथ विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।**

[स्रोत: द हिंदू](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/saurashtra-tamil-sangamam